Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to improve healthcare and nutritional services in Bundelkhand region of Uttar Pradesh.

कुँवर पुऐपेद्र सिंह चन्देल (हमीरपुर) ः देश, मोदी जी के नेतृत्व में विकास पथ पर चल रहा है और देश के सर्वांगीण विकास के लिए वर्तमान केंद्र सरकार कृत संकल्पित है। आजादी के बाद जहां देश में प्रगति के लिए प्रयास हो रहे हैं परंतु प्रशासनिक उदासीनता के कारण बुंदेलखण्ड विकास की दौड़ में पीछे रह गया है। भारत सरकार भी इसको आर्थिक रूप से पिछड़ा क्षेत्र मानती है। परन्तु यह क्षेत्र स्वास्थ्य सेवाओं और भोजन में पोऐाण की उपलब्धता में भी पिछड़ा है। हिन्दू धर्म के अनुसार मनुऐय का प्रथम गुरू माँ है। बच्चा माँ से ही सबसे पहले सीखता है और फिर वह देश का नागरिक बनता है और देश के विकास में अपना योगदान देता है। परंतु बुंदेलखण्ड में माँ, बहनों और बच्चों के स्वास्थ्य और पोऐाण की स्थिति शोचनीय है। राऐट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे 2015-16 के अनुसारः-

	भारत	यू.पी.	हमीरपुर	महोबा
बाल मृत्यु दर (प्रति 1000 में)	41	64		
बाल मृत्यु दर (5 वऐाऩ से कम) (प्रति 1000 में)	50	78		
महिलाएं जिनका बी.एम.आई. सामान्य से कम (औ)	22.9	25.3	28.3	35
6-59 माह आयु के बच्चे जो एनीमिया से ग्रसित (औ)	58.5	63.2	55.5	63.2
गर्भवती महिलाएं जो एनीमिया से ग्रसित (औ)	50.3	51	51.8	74.3
महिलाएं जो गर्भवती नहीं हैं एनीमिया से ग्रसित (औ)	53.1	52.1	51.8	64.3

कमोवेश संपूर्ण बुंदेलखण्ड की यही स्थिति है जिसको तत्काल सुधारने की आवश्यकता है। देश को यदि तेज विकास करना है तो उत्तर प्रदेश को नंबर-एक बनाना होगा और उत्तर प्रदेश के विकास में बुंदेलखण्ड की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। अतः मेरा भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार से अनुरोध है

कि बुंदेलखण्ड में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और भोजन में पोऐाण की समुचित व्यवस्था के लिए प्राथमिकता के आधार पर संयुक्त रूप से विशेऐा कार्य योजना बनाई जाए, जिससे बुंदेलखण्ड में मानव विकास सूचकांक में सुधार हो और विशेऐाकर माँ, बहनों और बच्चों की स्थिति बहुत अधिक बेहतर हो सके।